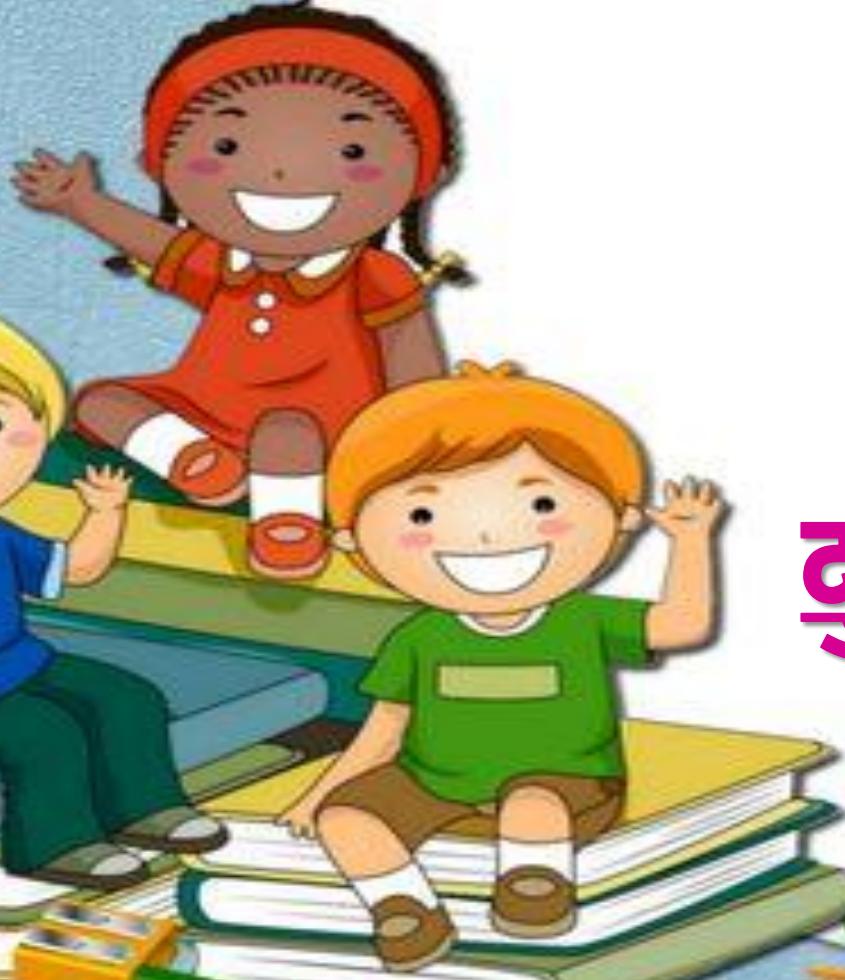




धोरण : ६



हिन्दी



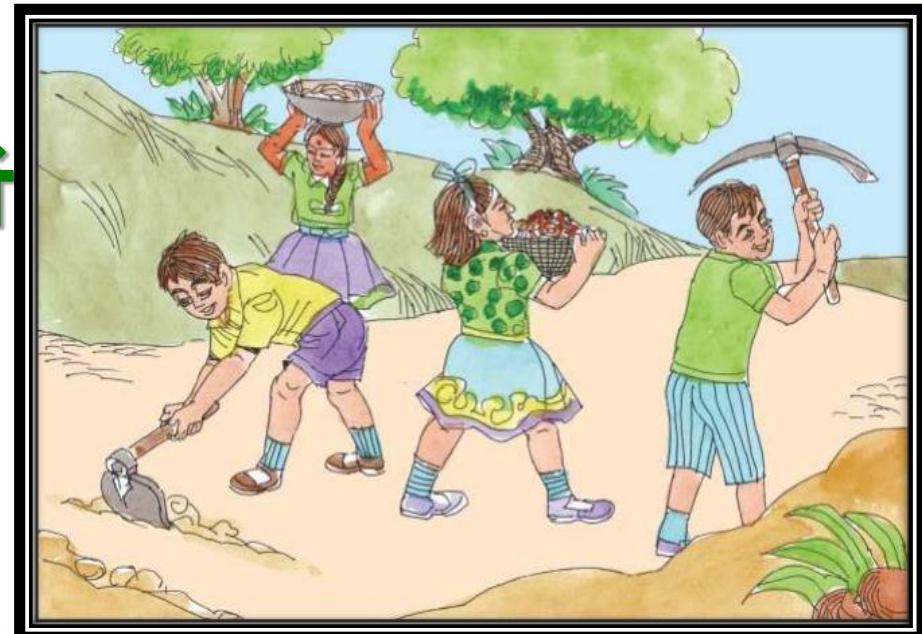
इकाई : १२

दुमदुमा गाँव के बच्चे



यह दुमदुमा गाँव है। यहाँ हमेशा पानी की कमी रहती थी। खेत सूख जाते, लोग परेशान रहते पर कोई उपाय नहीं कर पाते थे। बच्चे पानी में खेलना चाहते, तैरना चाहते पर कहाँ ?

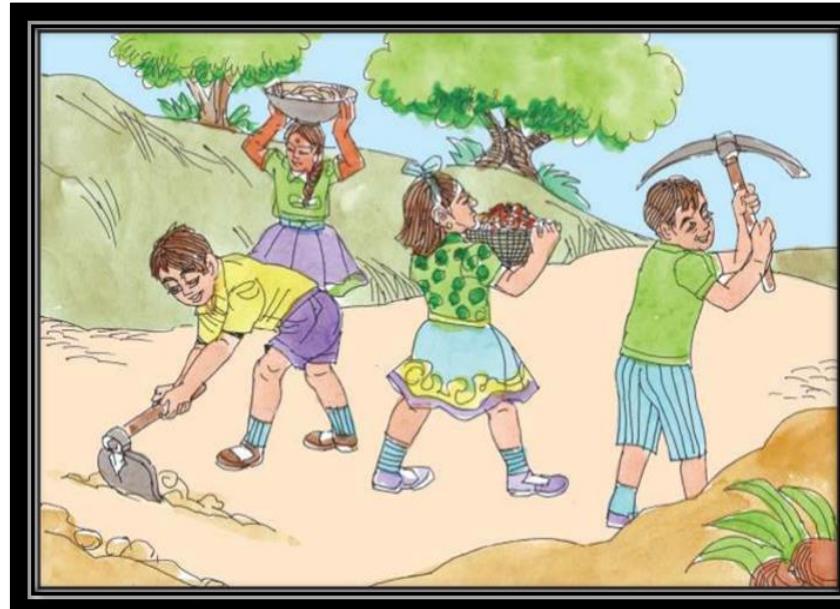
एक दिन बच्चे खेल के मैदान में इकट्ठा हुए। उन्होंने पानी की कमी दूर करने की सोची।



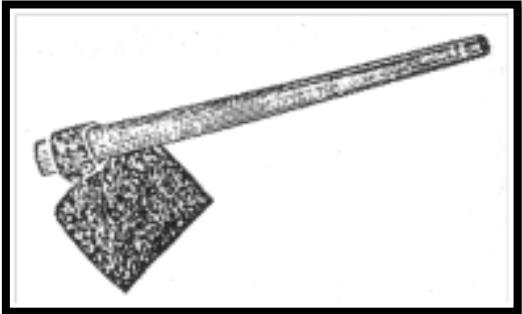
“मैं बादलों से प्रार्थना करूँगा, रोज बरसो” - बिल्लू बोला ।

“बादल रोज कैसे बरस सकते हैं ?” महिमा बोली।

तब फिर क्या हो ? सब सोचने लगे - “क्यों न एक बड़ा-सा गड्ढा खोदें, जिसमें बारिश का खूब सारा पानी भर जाए” रजिया बोली।



“हाँ-हाँ ! यही ठीक है,” सारे बच्चे बोले । फिर बच्चे लाए
फावड़े, कड़ाही, कुदालें और तसले । वे जमीन खोदते रहे । मिट्टी ढोते
रहे । बाहर फेंकते रहे । बच्चों को काम करते हुए गाँववालों ने देखा ।



फावड़े- पावडो



कुदाल - त्रिक्षम



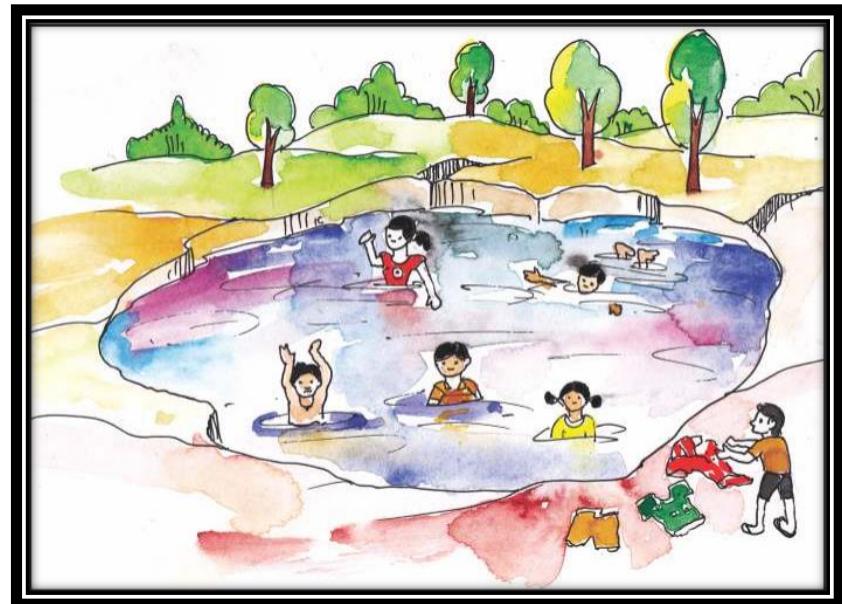
तसले- तगारुं

कड़ाही – कुपड़ी



वे भी बच्चों के साथ काम करने में जुट गए । इस तरह बना
एक बड़ा सा तालाब । बरसात में उस तालाब में पानी भरा ।
पानी से खेतों की सिंचाई हुई । खेतों में मक्का और धान
लहलहाए ।

लोग खुश हुए और बच्चे पानी में
छपा-छप खूब नहाए ।



शब्दार्थ

प्रार्थना - उपासना, विनती

पानी - जल, नीर, वारि

कमी - अभाव

परेशान - दुःखी, व्याकुल

उपाय- युक्ति, तरकीब

बारिश - वर्षा, बरसात

धान - अन्न



अभ्यास

1. सोचकर बताइए :

(1) आपके गाँव या शहर में पानी के स्रोत कौन-कौन से हैं?

➤ मेरे गाँव में कुआँ, नदी, तालाब, चेकड़ेम, ट्यूबवेल आदि पानी के स्रोत हैं।

(2) हम पानी का उपयोग कहाँ-कहाँ करते हैं ?

➤ हम पानी का उपयोग पीने में, नहाने में, रसोई बनाने में, कपड़े धोने में, खेतों की सिंचाई में और कारखानों में करते हैं।



(3) 'पानी हमारा जीवन है । पानी का अपव्यय नहीं करना चाहिए।'

अब बताइए कि - लोग पानी का अपव्यय कैसे करते हैं ?

- लोग पानी का उपव्यय इस प्रकार करते हैं
 - (1) पीने के पानी से हाथ-पैर धोते हैं ।
 - (2) नल चालु रखकर इधर-उधर चले जाते हैं ।
 - (3) पीने योग्य पानी से पशुओं को नहलाते हैं ।
 - (4) पीने योग्य पानी से जीप, ट्रेक्टर आदि धोते हैं ।
 - (5) टपकते नल को बदलते नहीं ।



(4) पानी का अपव्यय न हो इस हेतु आप क्या-क्या करेंगे ?

➤ पानी का अपव्यय न हो इस हेतु मै -

(1) जलाशयों पर सूचनाएँ लिखूँगा ।

(2) टपकते नल बंद करवाऊँगा ।

(3) पीने योग्य पानी का जरूरत के मुताबिक उपयोग करूँगा ।

(4) पानी का अपव्यय बंद करने के लिए लोगों को समझाऊँगा।



प्रश्न 2. • छात्रों को अपने गांव या शहर के नजदीक आए हुए नदी, जलपरियोजना, चेकड़ेम या खेत-तालाब की मुलाकात करवाइए।

- छात्र अपने शिक्षक के मार्गदर्शन में प्रश्न में उल्लिखित जलस्रोत की मुलाकात करेंगे।

• मुलाकात के बाद छात्रों ने जो देखा है, उसकी कक्षा में चर्चा और लेखन करवाइए।

- छात्र देखे हुए जलस्रोत की चर्चा शिक्षक के मार्गदर्शन में करेंगे और निम्नानुसार लेखन करेंगे:



नदी : हमारा जलस्रोत

हमारा गांव पहाड़ी इलाके मे है। हमारे गाँव के पास एक नदी बहती है। उसका नाम है-'चूल्ही' नदी। चूल्हा बड़ा होता है और चूल्ही छोटी होती है। यहाँ पत्थर से बनी 'चूल्ही' की आकृति के कारण उसका नाम 'चूल्ही' पड़ा है।

इस नदी का जलप्रवाह इस 'चूल्हो' की आकृति से निकलता है। यह दृश्य बड़ा मनोहर होता है।



यहाँ इस नदी पर एक चेकड़ेम बनाया गया है। उसमें बहुत पानी जमा होता है। उस पानी से खेतों की सिंचाई होती है। चारों ओर से पशु-पक्षी यहाँ पानी पीने के लिए आते हैं। नदी का पानी नहाने और कपड़े धोने के काम भी आता है। इसके किनारे पर हमने पेड़-पौधे लगाए हैं। यहाँ वृक्षों की घटा बड़ी सुंदर लगती है।

जब बहुत बर्षा होती है, तब नदी में बाढ़ आती है। उस समय उसके किनारे के खेत बह जाते हैं। कभी कुछ पशु भी पानी में बह जाते हैं। फिर भी नदी हमारी माता है और पानी हमारा जीवन है।



3. (अ) इकाई में आए शब्द नीचे दिए गए कोष्ठक में छिपे हुए हैं। उन्हें

दृढ़िए और

कीजिए।

ब	र	श	त	न	य	उ
र	ल	पा	भ	तै	र	म
सा	बा	ह	र	र	ब	उ
त	द	ख	ल	ना	ना	मा
क्ष	ल	ही	र्थ	हा	ना	पा
क	डा	प्रा	न	न	ए	सा
क	ला	म	छ	पा	छ	प

१. लहलहाए
२. भरना
३. कड़ाही
४. प्रार्थना
५. नहाना
६. बाहर

७. खेलना
८. छपाछप
९. बरसात
१०. बादल
११. तैरना
१२. दुमदुमा



(ब) दिए गए इन वर्णों को स्थान पर रखिए और सार्थक शब्द बनाइए:

न, शा, प, रो, छ, पा, मी

छ	पा	छ	प
			रे
रो			शा
ज	मी	न	
		न	



4. दिए गए चित्र के आधार पर पाँच वाक्य लिखिए ।



➤ यह गाँव का द्रश्य है ।
सुबह का समय है । सूरज
निकल रहा है । आकाश में
पक्षी उड़ रहे हैं । दूर कुछ पेड़
और घर दिखाई दे रहे हैं ।
एक मंदिर भी दिख रहा है ।

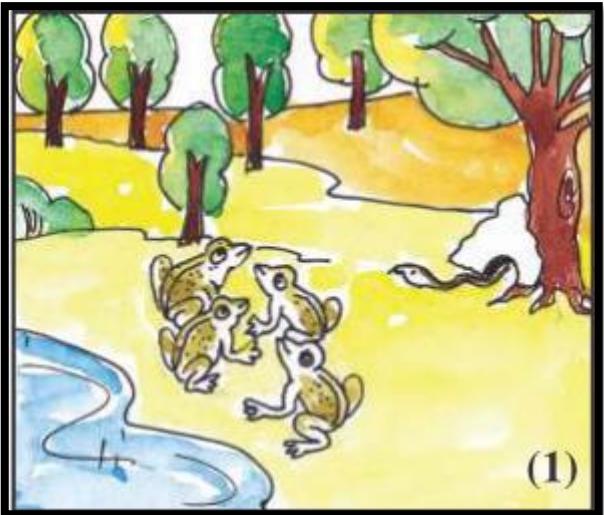




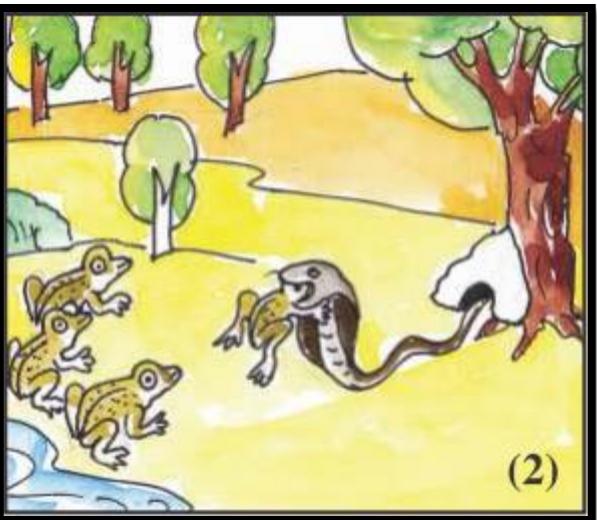
► मैदान मे दो लड़के गेंद खेल रहे हैं । तालाब के किनारे दो स्त्रियाँ कपड़े धो रही हैं । एक बादल खेत के पास खड़ा है । खेत मे किसान है । हल चला रहा है । दो बैल हल खींचते हैं ।



5. नीचे दिए गए चित्र के आधार पर कहानी-कथन कीजिए :



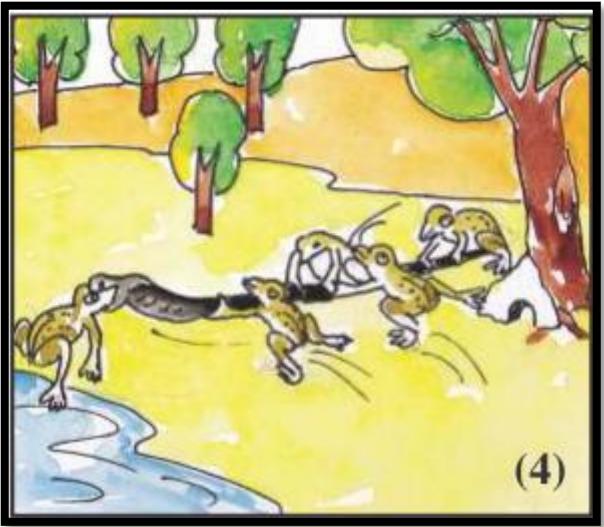
(1)



(2)



(3)



(4)



(5)



(6)



6. कोष्ठक मे दी गई क्रिया के योग्य रूप से रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिएः

- (1)दुमदुमा गाँव में हमेशा पानी की कमी रहती थी। (रहना)
- (2) बच्चे तालाब मेंनहाते थे। (नहाना)
- (3) खेतों में मक्का और धानलहलहाते थे। (लहलहाना)



7. (अ) कोष्ठक मे दिए गए शब्दो का उपयोग करके जो वाक्य लिखे है उन्हे पढ़िए और समझिए :

(लाल, सफेद, तीन, सुंदर)

वाक्य : खेत मे गाये चरती है ।

- (1) खेत मे लाल गाये चरती है ।
- (2) खेत मे सफेद गाये चरती है ।
- (3) खेत मे तीन गाये चरती है ।
- (4) खेत मे सुंदर गाये चरती है ।



(ब) कोष्ठक में दिए गए शब्दों का उपयोग करके वाक्य लिखिए।

(लाल, रंगबिरंगे, तीन, सुंदर)

वाक्यः बगीचे में फूल खिले हैं।

- (1) बगीचे में लाल फूल खिले हैं।
- (2) बगीचे में रंगबिरंगे फूल खिले हैं।
- (3) बगीचे में तीन फूल खिले हैं।
- (4) बगीचे में सुंदर फूल खिले हैं।



(क) निम्नलिखित शब्दों का उपयोग करके वाक्य बनाइएः

होशियार, सुंदर, काला, छोटा, थोड़ा

- (1) ऋत्विक **होशियार** लड़का है ।
- (2) यह **सुंदर** फूल है ।
- (3) वह **काला** घोड़ा है ।
- (4) तनीश **छोटा** लड़का है ।
- (5) गिलास में **थोड़ा** दूध है ।



स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) दुमदुमा गाँव की क्या समस्या थी?

➤ दुमदुमा गाँव मे हमेशा पानी की कमी रहती थी। दुमदुमा गाँव की यह समस्या थी ।

(2) पानी की कमी के कारण बच्चे क्या-क्या नहीं कर पाते थे ?

➤ पानी की कमी के कारण बच्चे पानी मे खेल या तैर नहीं पाते थे ।



(3) रजिया ने पानी की कमी दूर करने के लिए क्या उपाय बताया ?

➤ रजिया ने पानी की कमी दूर करने के लिए एक बड़ा-सा गड्ढा खोदने के लिए कहा ।

(4) ज़मीन खोदने के लिए बच्चे कौन-कौन से साधन लाए ?

➤ ज़मीन खोदने के लिए बच्चे फावड़े, कड़ाही, कुदाले और तसले लाए ।



(5) तालाब में बरसात का पानी भरने से दुमदुमा गाँव को
क्या

फायदा हुआ ?

➤ तालाब में बरसात का पानी भरने से दुमदुमा गाँव को
बहुत फायदा हुआ । खेतों की सिंचाई हुई और खेतों में
मक्का और धन बड़ी मात्रा में लहलहाने लगे ।



2. निम्नलिखित वाक्य कौन कहता है :

(1) “मैं बादलों से प्रार्थना करूँगा, रोज बरसो।”

✓ यह वाक्य बिल्लू कहता है ।

(2) बादल रोज कैसे बरस सकते हैं ?

✓ यह वाक्य महिमा कहती है ।

(3) क्यों न एक बड़ा-सा गड्ढा खोदें, जिसमें बारिश का खूब
सारा

पानी भर जाए।

✓ यह वाक्य रजिया कहती है ।



3. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश के क्रम में लिखिए :

दुमदुमा, बादल, कड़ाही, छपा-छप, लहलहाए

उत्तर : कड़ाही, छपा-छप, दुमदुमा, बादल, लहलहाए

4. गुजराती में अनुवाद कीजिए :

(1) बच्चे पानी में खेलना चाहते थे।

✓ बાળકો પાણીમાં રમવા ઇસ્તાતાં હતાં.

(2) पानी से ખेतों की સિંચાઈ હोती है।

✓ પાણીથી ઘેતરોનીસિંચાઈ થાય છે.



(3) बारिश के पानी से तालाब में पानी भरा ।

✓ वरसादना पाणीथी तળावमां पाणी भरायुं.

(4) बच्चों ने पानी की कमी दूर करने की सोची ।

✓ बागडोએ पाणीनी तंगी દૂર કરવानुં વિચાર्यું.

(5) एक दिन बच्चे खेल के मैदान में इકट्ठे हुए ।

✓ એક દિવસ બાગડો રમતના મેદાનમાં એકઠાં થયાં.



5. निम्नलिखित शब्दो मे से कोष्ठक मे दिए गए शब्दो के समानार्थी शब्द लिखिए :

[उपासना, दुःखी, युक्ति, वर्षा, स्तुति, वारि, व्याकुल, तरकीब, बरसात, नीर]

प्रार्थना	उपाय	पानी	बारिश	परेशान
उपासना	युक्ति	वारि	वर्षा	दुःखी
स्तुति	तरकीब	नीर	बरसात	व्याकुल



6. (क) आपके गाँव / मुहल्ले / आसपास या स्कूल में भी कोई न कोई समस्या ज़रूर होगी। पता कीजिए और लिखिए।

■ वह समस्या क्या है ?

उत्तर : हमारे मुहल्ले-गाँव की समस्या है - 'गंदगी' ।

■ वह समस्या क्यों है ?

उत्तर : वह समस्या इसलिए है कि -

- लोग अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते हैं ।
- कूंडा-कर्कट आसपास मे डाल देते हैं ।
- उचित जगह पर कूड़ादान नहीं है ।



■ वह समस्या किस प्रकार दूर हो सकती है ?

उत्तर : गंदगी की वह समस्या इस प्रकार दूर हो सकती है

:

- लोग अपनी जिम्मेदारी समझें।
- योग्य स्थान पर सूचना लिखी जाए।
- उचित जगह पर कृड़ादान रखा जाए।



• उस समस्या को दूर करने में तुम और तुम्हारे साथी क्या योगदान दे सकते हैं?

उत्तर : गंदगी की समस्या को दूर करने में मैं और मेरे साथी इस प्रकार योगदान दे सकते हैं-

- सफाई-सप्ताह मनाकर
- खुद सफाई करके
- लोगों को सफाई का महत्त्व समझाकर
- उचित जगह पर सूचनाएं लिखे बाँड़ रखकर
- उचित जगह पर कूड़ादान रखकर
- कूड़ादान भर जाने के बाद उसे तुरंत खाली करके



(ख) इस समस्या के बारे में अपने सरपंच / नगरसेवक को पत्र लिखिए :

उत्तर:

प्रेषक : राणपुर के ग्रामजन,

मुहल्ला नं.2

दिनांक : 25 जनवरी, 2014

प्रति,

मान्यवर सरपंच महोदय,

राणपुर ग्रामपंचायत।

विषय : मुहल्ले व गाँव की गंदगी दूर करना ।

आपसे सविनय निवेदन है कि हमारे सम्मोपुर गाँव में, खास कर हमारे मुहल्ले न.91 में कूड़ादान नहीं है। अतः लोग इधर-उधर कहीं भी कूड़ा डाल देते हैं। इसलिए गंदगी बढ़ती रहती है। इस प्रकार गंदगी बढ़ने से बीमारियां फैलने की पूरी संभावना है।

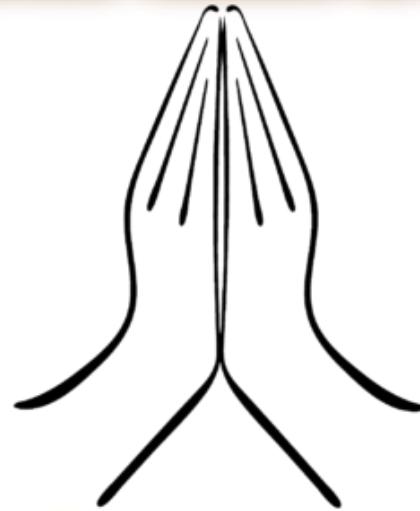


अतः आपसे प्रार्थना है कि हमारे मुहल्ले में तथा पूरे गाँव
में कूड़ेदान रखवाएं और उनकी सफाई करवाने का उचित प्रबंध
करें, ताकि गाँव स्वच्छ रहे, स्वस्थ रहे।

भवदीय,
राणपुर मुहल्ला नं.2
के ग्रामजन।



THANKS



FOR WATCHING

